सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंक 83 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार 29 अप्रैल, 2026

मूल्य ₹ 3/-

स्वास्थ्य सबसे बड़ा उपहार है, संतोष सबसे बड़ा धन है, वफादारी सबसे बड़ा सम्बन्ध है।

-भगवान गौतम बुद्ध

राजस्थान रॉयल्स ने पंजाब किंग्स को... 7 | तमिलनाडु विस चुनाव में रिकॉर्ड... 3 | भाजपा सरकार में किसी को नहीं... 2

हिंसा की छाया, वोटों की बारिश

बंगाल में जिद बनाम जनादेश की जंग

दूसरे और अंतिम चरण के लिए डाले जा रहे हैं वोट

- » शुरुआती घंटों में बंपर वोटिंग बूथों पर लंबी कतारें
- » दोपहर तक वोटिंग 61 प्रतिशत के ऊपर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुबह के सात बजते ही पश्चिम बंगाल की सियासत ने एक बार फिर खुद को बैलेट बाक्स के हवाले कर दिया। पूरे पश्चिम बंगाल में बस एक ही चीज दिखाई और सुनाई दे रही है और वह है मतदान। एक तरफ बूथों पर उमड़ती भीड़ दूसरी तरफ तनाव और छिटपुट हिंसा की खबरें। एक तरफ लोकतंत्र का उत्सव तो दूसरी तरफ आरोपों का धुआं। तस्वीर दो है लेकिन सच एक ही निकलेगा और वह निकलेगा वोटिंग मशीन से। राज्य की 142 विधानसभा सीटों पर चल रहे अंतिम चरण के मतदान ने शुरुआत से ही संकेत दे दिया है कि आज का दिन साधारण नहीं है।

सुबह के पहले दो घंटों में ही 18 प्रतिशत से ज्यादा मतदान यह आंकड़ा सिर्फ प्रतिशत का नहीं है बल्कि उस मनोदशा का संकेत है जिसमें मतदाता घर से निकल रहा है। हालांकि खबर लिखे जाने तक वोटिंग 61 प्रतिशत के ऊपर जा चुका था। लेकिन यहा कहानी सिर्फ आंकड़ों की नहीं है। यह कहानी है उस टकराव की जो पिछले कई हफ्तों से सड़कों सभाओं और बयानबाज़ी में दिखाई दे रहा था। ममता बनर्जी का बयान कि हम मर जाएंगे लेकिन अपनी जगह नहीं छोड़ेंगे अब सिर्फ राजनीतिक नारा नहीं रहा बल्कि चुनावी माहौल की धड़कन बन चुका है। ग्राउंड से आ रही रिपोर्ट्स बता रही हैं कि कई जगहों पर मतदाता सुबह से ही लाइन में लग गए खासकर महिलाओं और बुजुर्गों की भागीदारी ने ध्यान खींचा। वहीं कुछ इलाकों में तनाव और झड़पों की खबरें भी सामने आई हैं जिन पर प्रशासन की नजर बनी हुई है। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के मतदान का ट्रेंड देखते हुए सवाल अब सीधा है कि क्या यह उत्साह बदलाव का संकेत है या स्थिरता की पुष्टि? क्योंकि बंगाल आज सिर्फ वोट नहीं डाल रहा— वह अपने अगले राजनीतिक अध्याय की दिशा तय कर रहा है।

ममता के गंभीर आरोप और मतदान में हिंसा

बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भाजपा और चुनाव आयोग पर आरोप लगाया था कि केंद्रीय बल मतदान के दौरान बाधा डाल रहे हैं और भाजपा के इशारे पर काम कर रहे हैं जिससे भाजपा को जिताया जा सके। दूसरी तरफ विधानसभा चुनाव की वजह से जिलों के विभिन्न स्थानों पर हिंसा और प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों के समर्थकों के बीच झड़पों की खबरें सामने आने लगी हैं। जिनमें दक्षिण 24 परगना अशांति का केंद्र बना हुआ है। पानीहाटी में भाजपा-टीएमसी समर्थकों के बीच हाथापाई की जानकारी है। हुगली-चुचुड़ा में सड़क किनारे लगे तृणमूल के कई चुनावी बैनरों को हटाने पर बवाल हुआ। वहीं बूथ नंबर 27, 28 और 29 पर वोटर लिस्ट फाड़ने को लेकर विवाद हो गया। कथित तौर पर केंद्रीय बलों के कुछ जवानों को तृणमूल के कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने वहां से भगाने की कोशिश की। इसके अलावा पानीहाटी विधानसभा क्षेत्र के बूथ 145 पर भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झगड़ा हो गया। वोटिंग के दौरान यह झगड़ा काफी देर चला जिसके बाद सुरक्षा बलों ने मोर्चा संभाला और स्थिति पर नियंत्रण पाने की कोशिश की। वहीं हावड़ा के बाली विधानसभा क्षेत्र में स्थित मशीन में खराबी के कारण मतदाता आक्रोशित हो गए। बूथ नंबर 152, 153 और 154 पर भारी हंगामा हुआ। हालांकि, केंद्रीय बलों ने लाठीचार्ज करके स्थिति को संभाला। इस घटना में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है। हावड़ा पुलिस कमिश्नर भी मौके पर मौजूद हैं।

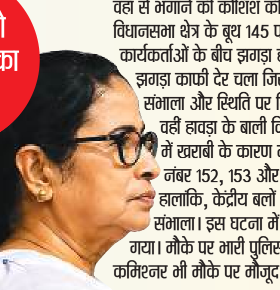

मर जाएंगे हटेंगे नहीं ममता का आक्रामक संदेश

सीसीटीवी की निगरानी में हो रहा मतदान

मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा है कि भारत निर्वाचन आयोग चाहता है कि जिस किसी का भी नाम मतदाता सूची में है वह मतदान करे। पहले चरण ने देश को यह दिखाया कि 93 प्रतिशत तक मतदान भी संभव है। उन्होंने बताया कि सब कुछ शांतिपूर्ण ढंग से चल रहा है। कोई बड़ी घटना नहीं हुई है। जो भी मुद्दे सामने आ रहे हैं हम उन्हें तत्काल हल कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आरोप पर मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा कि जो कोई भी गुंडागर्दी कर रहा है उसका नाम हमें दें भारत निर्वाचन आयोग किसी को भी नहीं बख्शेगा। जहां कहीं भी समस्याएं आ रही हैं हम सीसीटीवी कैमरों के जरिए उनकी पहचान कर पा रहे हैं और जैसे ही हमें जानकारी मिलती है हम उन्हें सुलझा रहे हैं।

ममता बनर्जी और सुवेंदु अधिकारी पोलिंग बूथ पर पहुंचे आपस में नहीं की बात

कोलकाता के भवानीपुर में एक दिलचस्प राजनीतिक पल देखने को मिला जब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी एक ही समय पर चक्रबेरिया स्थित कोलकाता नगर निगम के वार्ड नंबर 73 के एक मतदान केंद्र पर पहुंचे। हालांकि दोनों नेताओं के बीच कोई बातचीत नहीं हुई लेकिन उनकी एक साथ मौजूदगी ने चुनावी माहौल को और गर्मा कर दिया। यह घटना उस समय

देखने को मिली जब आज सुबह दक्षिण बंगाल की 142 सीटों पर मतदान जारी है। भवानीपुर इस चुनाव में सबसे चर्चित सीटों में से एक बनकर उभरा है जहां मुकाबला मुख्य रूप से सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी भारतीय जनता पार्टी के बीच माना जा रहा है। भवानीपुर सीट का राजनीतिक महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि यह ममता बनर्जी का पारंपरिक गढ़ रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए भाजपा ने यहां से सुवेंदु अधिकारी को मजबूत चुनौती के रूप में चुनावी मैदान में उतारा है। सुवेंदु अधिकारी नंदीग्राम सीट से भी चुनाव लड़ रहे हैं जहां उन्होंने 2021 के विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी को हराया था। नंदीग्राम में पहले चरण में मतदान हो चुका है।

भवानीपुर का यह मुकाबला नंदीग्राम की चुनावी टक्कर का रीमैच

भवानीपुर का यह मुकाबला नंदीग्राम की चुनावी टक्कर का रीमैच माना जा रहा है। गौरतलब है कि सुवेंदु अधिकारी पहले ममता बनर्जी के करीबी सहयोगी और शिष्य माने जाते थे लेकिन 2021 चुनाव से पहले उन्होंने तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया था। दोनों पार्टियों के लिए भवानीपुर सीट प्रतिष्ठा का सवाल बन गई है। टीएमसी के लिए यह मुख्यमंत्री के अपने क्षेत्र की साख से जुड़ा मामला है जबकि भाजपा और खासकर शुभेंदु अधिकारी के लिए यहां जीत हासिल करना एक बड़ा राजनीतिक संदेश देने जैसा होगा। भवानीपुर सीट 2011 से तृणमूल कांग्रेस का गढ़ रही है। वरिष्ठ नेता सुब्रत बक्शी ने यहां से जीत हासिल की थी और बाद में सीट छोड़ दी थी।

गाजीपुर दौरा रद्द होने पर नाराज हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव, बोले-

भाजपा सरकार में किसी को नहीं मिलेगा न्याय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने फिर एकबार भाजपा व योगी सरकार पर प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार में किसी को भी न्यास नहीं मिलेगा। सपा ने 29 अप्रैल को प्रस्तावित गाजीपुर का दौरा रद्द कर दिया गया है। वहां वह पीड़ित परिवार से मिलने के लिए जाने वाले थे। सपा की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि गाजीपुर में कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य होने पर पीड़ित परिवार से मिलने का कार्यक्रम जारी किया जाएगा।

सपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में महिलाएं और बेटियों के साथ अपराध की घटनाएं बहुत बढ़ गई हैं। गाजीपुर हरदोई, प्रतापगढ़ और फतेहपुर में बेटियों के साथ जघन्य घटनाएं हुई। पीड़ित परिवारों को न्याय नहीं मिला। यहां बता दें कि अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी प्रतिनिधिमंडल में शामिल पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा, समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा राजभर, विधायक

जयकिशन साहू, और रीता विश्वकर्मा ने पीड़ित परिवार से मिलकर समाजवादी पार्टी की ओर से 2 लाख रुपये और विश्वकर्मा समाज की ओर से 3 लाख रुपये से गाजीपुर के पीड़ित परिवार की मदद दी।

सपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर लगाए गए झूठे मुकदमे वापस लिए जाएं

अखिलेश यादव मंगलवार को एक कार्यक्रम मे हिस्सा लेने के बाद मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गाजीपुर के पीड़ित परिवार को न्याय मिले और समाजवादी पार्टी के नेताओं-कार्यकर्ताओं पर लगाए गए झूठे मुकदमे वापस लिए जाने चाहिए। प्रतापगढ़ में दलित बेटी के साथ घटना हुई। फतेहपुर में मौर्य समाज की बेटी के साथ गलत करने वाला भाजपा संगठन का पदाधिकारी है। आरोपी को भाजपा सरकार खुद बचा रही है।

गाजीपुर में बवाल करने और जातियों के बीच झगड़ा लगाने वाले मुख्यमंत्री के सजातीय हैं, इसीलिए कोई कार्रवाई नही हो रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा

जातियों के बीच झगड़ा लगाने वाले मुख्यमंत्री के सजातीय हैं

राज में अपराध पर जीरो टॉलरेंस का दावा झूठा है। भाजपा बंगाल में यूपी के रामपुर मॉडल पर बेईमानी करना चाहती है। भाजपा अधिकारियों पर अपने पक्ष में कार्य करने का दबाव बना रही है।

बंगाल में आईपीएस के रवैये से धूमिल हुई यूपी की छवि

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि बंगाल चुनाव के दौरान ऑब्जर्वर बने उत्तर प्रदेश के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी का जो अभद्र वीडियो सरेआम चल रहा है, उससे उत्तर प्रदेश सरकार के शासन-प्रशासन की छवि धूमिल हुई है। भाजपा सरकार के तथाकथित महिला सम्मान व नारी वंदन के दावों की पोल भी महिलाओं के सामने पूरी तरह खुल गई है। अखिलेश ने कहा कि देखते हैं इनका निलंबन या बर्खास्तगी कितनी जल्दी होती है। उन्होंने इसका सीधा संबंध मुख्यमंत्री की छवि से जुड़ा करार दिया है।

सपा ने गाजीपुर के पीड़ित परिवार को दिए पांच लाख

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि गाजीपुर के पीड़ित परिवार को हमारे पूरे पीडीए समाज ने मिलकर 5 लाख रुपये की मदद की है। यह पीडीए की एकता का प्रतीक है। अखिलेश यादव ने कहा कि हम पीडीए के मान-सम्मान, समान अवसर और चतुर्दिक उत्थान के लिए संघर्ष करते रहेंगे।

भाजपा में जाने वालों का सत्यानाश तय : दिग्विजय

» मप्र के पूर्व सीएम की दलबदलुओं को चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीहोर। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने एक बार फिर भाजपा और दलबदल की राजनीति पर जोरदार हमला बोला। मीडिया से बातचीत में उनका अंदाज बेहद आक्रामक और साफ नजर आया। उन्होंने बिना किसी लाग-लपेट के कहा कि जो नेता अपनी मूल विचारधारा और पार्टी छोड़कर निजी स्वार्थ के लिए भाजपा में शामिल हो रहे हैं, उनका सत्यानाश तय है। उनके इस बयान से प्रदेश की राजनीति में नई हलचल पैदा हो गई है।

दिग्विजय सिंह ने दलबदल करने वाले सांसदों को निशाने पर लेते हुए कहा कि यह सिर्फ राजनीतिक बदलाव नहीं, बल्कि जनता के विश्वास के साथ धोखा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि होती है और जो नेता अपने मतदाताओं की भावनाओं से विश्वासघात करते हैं, उन्हें जनता कभी माफ नहीं करती। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ऐसे नेताओं का भविष्य अंधकारमय है और वे जल्द ही राजनीति के हाशिए पर चले जाएंगे। दिग्विजय सिंह ने खास तौर पर आम आदमी पार्टी छोड़कर

भाजपा में शामिल हुए सांसदों पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि जो नेता अपने सिद्धांतों और विचारधारा को छोड़कर सत्ता के लिए दल बदलते हैं, वे राजनीति की विश्वसनीयता को खत्म कर रहे हैं। उन्होंने इसे लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा बताया और कहा कि यह प्रवृत्ति देश की राजनीतिक संस्कृति को कमजोर कर रही है। दिग्विजय सिंह ने केंद्र सरकार को खुली चुनौती देते हुए कहा कि अगर उसकी मंशा साफ है तो आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से ही महिला आरक्षण लागू कर के दिखाए। उन्होंने कहा कि इससे सरकार की नीयत सामने आ जाएगी और महिलाओं को वास्तविक सशक्तिकरण मिलेगा। इस बयान के बाद महिला आरक्षण का मुद्दा फिर से चर्चा में आ गया है।

महिला आरक्षण पर केंद्र सरकार को घेरा

महिला आरक्षण बिल को लेकर भी दिग्विजय सिंह ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की नीयत इस मुद्दे पर साफ नहीं है। उनका कहना था कि सरकार लगातार महिलाओं को भ्रमित कर रही है और आरक्षण लागू करने के बजाय इसे टालने की कोशिश कर रही है। उन्होंने मांग की कि अगर सरकार गंभीर है तो इसे तुरंत लागू किया जाए।पूर्व मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार द्वारा दिए जा रहे तर्क (परिसीमन और जनगणना) को पूरी तरह खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि ये केवल देरी करने के बहाने हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में भी महिला आरक्षण लागू किया जा सकता है, लेकिन सरकार जानबूझकर इसे आगे के लिए टाल रही है।

महिला आरक्षण कानून का आप समर्थन नहीं देना चाहती : स्वाती मालीवाल

» स्वाती ने कहा, मैं दो साल से संसद जा रही हूं, लेकिन मुझे सदन में बोलने का मौका तक नहीं दिया गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीजेपी से जुड़ीं स्वाति मालीवाल आम आदमी पार्टी छोड़ने के बाद पहली बार वह किसी सार्वजनिक राजनीतिक मंच पर नजर आईं। मंच से बोलते हुए उन्होंने महिला आरक्षण कानून को लेकर विपक्ष पर गंभीर आरोप लगाए और अपने राजनीतिक अनुभव साझा किए उन्होंने कहा कि देश की महिलाएं आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, लेकिन संसद में महिलाओं की भागीदारी अब भी सीमित है।

स्वाति मालीवाल के मुताबिक संसद में महिला प्रतिनिधित्व केवल 14.4 प्रतिशत है। वहीं, इस मामले में बांग्लादेश और नेपाल जैसे देश भी आगे हैं, उन्होंने दावा किया कि महिला आरक्षण कानून को पिछले 30 वर्षों में कई बार लाने की कोशिश हुई, लेकिन हर बार राजनीतिक विरोध के कारण यह आगे नहीं बढ़ पाया, उन्होंने आरोप लगाया कि जब वह आप में थीं, तब उन्हें महिला

आरक्षण बिल का समर्थन न करने के निर्देश मिले थ। मंच से उन्होंने कहा, मैं दो दिन पहले तक आप में थी, मुझे कहा गया कि महिला बिल का समर्थन मत करना, मैं दो साल से संसद जा रही हूं, लेकिन मुझे बोलने का मौका तक नहीं दिया गया. जब निर्देश मिला कि महिला आरक्षण बिल को गिराना है, उसी दिन मैंने इस्तीफा देने का फैसला किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिक्र करते हुए कहा कि महिलाओं को राजनीतिक अधिकार दिलाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है और यह बिल पास होकर रहेगा।

बामुलाहिज़ा
कार्टून : हसन जैदी

यूपी के साथ अन्य राज्यों पर भी फोकस करें : मायावती

» विस चुनाव के लिए बसपा ने कसी कमर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने दिल्ली में पार्टी इकाई की बैठक में कहा कि यूपी के साथ अगले वर्ष उत्तराखंड और पंजाब में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी भी शुरू कर दी जाए। बैठक में संगठन को जमीनी और आर्थिक तौर पर मजबूत करने के पिछले दिशा-निर्देशों की विस्तृत समीक्षा के बाद उन्होंने अच्छे कार्यों की सराहना की और असंतोषजनक प्रदर्शन पर कई स्तरों पर फेरबदल करने का निर्देश दिया।

बता दें कि दिल्ली आने के बाद मायावती ने बीती 23 अप्रैल को उत्तराखंड राज्य की समीक्षा बैठक की थी। उसमें पार्टी को आगामी राज्य विधानसभा चुनाव के लिए तैयार करने

की हिदायत दी गई थी। ये चुनाव उत्तर प्रदेश और पंजाब के साथ होने वाले हैं। पार्टी को इन महत्वपूर्ण चुनावों के लिए प्रभावी रणनीति बनाने को कहा गया था। मंगलवार को आयोजित बैठक में उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को संगठन के बताए कार्यों में अपेक्षित सुधार लाकर मिशनरी लक्ष्य प्राप्त करने के लिए पूरी ताकत से जुटने को कहा। उन्होंने कहा कि जीने के लिए अति-जरूरी %कानून द्वारा कानून का राज केवल बसपा सरकार दे सकती है। इसमें ही सर्वसमाज का हित निहित है। यह संदेश हर घर में जितनी जल्दी पहुंचें, उतना ही बेहतर होगा।

दिल्ली की भाजपा सरकार से लोग परेशान

इस दौरान उन्होंने दिल्ली के राजनीतिक हालात पर पदाधिकारियों की प्रतिक्रिया जानने के बाद कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार जाने के बाद भाजपा की वर्तमान सरकार से भी लोग निराश हैं। भाजपा सरकार आमजन के हित और कल्याण की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर पा रही है। ऐसे में बसपा उनके लिए नई उम्मीद की किरण बन सकती है। इसके लिए पूरी लगन और मेहनत से जनाधार बढ़ाने का कार्य करना होगा। दिल्ली में लोगों की अलग-अलग जरूरतें हैं। खासकर मेहनतकश समाज को कानून का राज चाहिए। भ्रष्टाचार-मुक्त एवं न्याय-युक्त शासन-प्रशासन की आवश्यकता है। वर्तमान सरकार भी लोगों को यह सही से नहीं दे पा रही है।

तमिलनाडु विस चुनाव में रिकॉर्ड वोटिंग, किसको करेगी हिटिंग

सियासी गलियारों में चर्चा ही चर्चा

- डीएमके की वापसी के आसार, एआईडीएमके और भाजपा की उम्मीदें भी जगीं
- अभिनेता से नेता बने विजय में उत्साह चरम पर
- पलानी, पनीरसेल्वम व शशिकला की भी निगाहें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। बंगाल की तरह तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में रिकॉर्ड वोटिंग हुई है। गुरुवार को तमिलनाडु विधानसभा की सभी 234 सीटों पर मतदान हुआ। अब 4 मई को पता चलेगा कि डीएमके सत्ता में बरकरा रहेगी या एआईडीएमके वापसी करेगी। इसके साथ ही इस बार का चुनाव कई मायनों में अलग नजर आया। अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) ने चुनावी मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है।

उधर सीएम स्टालिन, पर्व सीएम पलानी स्वामी, पनीरसेल्वम व पूर्व दिवंगत सीएम की मित्र शशीकला समेत भाजपा के कई स्थानीय नेताओं के भविष्य का आधार बनेगा। वहीं सीएम स्टालिन को अपने पिता करुणानिधि से आगे निकलने का मौका भी दे देगा। पिछले चुनाव के मुकाबले वोटिंग प्रतिशत बढ़ा है और सबसे बड़ा बदलाव यह रहा कि राज्य की पारंपरिक दो-दलीय राजनीति द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) के बीच अब एक नया खिलाड़ी मजबूती से उभरा है। यह नया चेहरा हैं अभिनेता से नेता बने विजय, जिनकी पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) ने चुनावी मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है।

दिलचस्प बना चुनावी मुकाबला

विजय ने इस चुनाव में अपनी रणनीति साफ रखी उन्होंने सीधे सत्ताधारी डीएमके पर निशाना साधा और यह तक दावा किया कि असली मुकाबला डीएमके और उनकी पार्टी के बीच है। वहीं एआईएडीएमके को अपेक्षाकृत कमजोर बताकर उस पर हमले सीमित रखे। इस आक्रामक पोजिशनिंग से उन्होंने खुद को मुख्य विपक्ष के रूप में स्थापित करने की कोशिश की।

तमिलनाडु की राजनीति में फिल्मी सितारों का रहा है जलवा

तमिलनाडु की राजनीति में फिल्मी सितारों का प्रभाव नया नहीं है। एम.जी. रामचंद्रन (एमजीआर), जे. जयललिता और एम. करुणानिधि जैसे दिग्गजों ने सिनेमा से राजनीति में सफल बदलाव का उदाहरण पेश किया। लेकिन हर अभिनेता को यह सफलता नहीं मिली। कमल हासन की

मक्कल नीधि मय्यम पार्टी 21 के चुनाव में खास असर नहीं छोड़ पाई और वे खुद भी चुनाव हार गए थे। दरअसल,

तमिलनाडु की राजनीति 1967 से लगातार द्रविड़ दलों के प्रभाव में रही है, जहां राष्ट्रीय दल जैसे भारतीय जनता पार्टी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सहयोगी भूमिका में ही नजर आते हैं। इस बार भाजपा एआईएडीएमके के साथ और कांग्रेस डीएमके के गठबंधन में चुनाव मैदान में हैं।

करुणानिधि के नाम दर्ज है रिकॉर्ड

तमिलनाडु के इतिहास को देखें तो के. कामराज ने लगातार 1963 तक 3 बार तमिलनाडु में कांग्रेस सरकार बनाई थी। इसके बाद एम रामचंद्रन ने 1977 के बाद लगातार 3 बार तमिलनाडु में सरकार बनाई थी। इसके बाद जयललिता ने 2011 और 2016 में लगातार 2 सरकार बनाकर इतिहास रचा था। तब राज्य में 32 साल बाद ये हुआ था। एम के स्टालिन के पिता एम करुणानिधि तमिलनाडु के चार बार मुख्यमंत्री रहे लेकिन सरकार रिपीट नहीं करवा पाए थे। तमिलनाडु में एम करुणानिधि के नाम सबसे अधिक वक्त तक सीएम रहने का रिकॉर्ड है। वह 18 साल 360 दिन सीएम की कुर्सी पर रहे। दूसरे नंबर जयललिता का नाम आता है। इतना ही नहीं करुणानिधि तमिलनाडु में कभी विधानसभा का चुनाव नहीं हारे।

विजय का युवओं पर खास फोकस

हालांकि टीवीके अभी नई पार्टी है, लेकिन संगठनात्मक स्तर पर इसे मजबूत बनाने की कोशिश साफ दिखती है। पार्टी में पूर्व नौकरशाहों, शिक्षाविदों और पूर्व विधायकों को शामिल किया गया है। विजय ने खास तौर पर युवाओं को केंद्र में रखकर अपनी राजनीतिक रणनीति तैयार की है, जो राज्य के बदलते मतदाता प्रोफाइल को ध्यान में रखती है। टीवीके की नींव विजय के फैन बेस संगठन विजय मक्कल इयाक्कम पर टिकी है। इसी संगठन ने स्थानीय निकाय चुनावों में 169 सीटों पर चुनाव लड़कर 115 सीटों पर जीत हासिल की थी। इस प्रदर्शन ने यह संकेत दिया कि विजय की लोकप्रियता सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं है, बल्कि उसे वोट में भी बदला जा सकता है।

चेन्नई में फिर लहराएगा डीएमके का झंडा

तमिलनाडु की जीत में चेन्नई की भूमिका काफी अहम मानी जाती है। वोटिंग से पहले एम के स्टालिन ने दावा किया है कि चेन्नई में डीएमके का झंडा लहराएगा। दरअसल, 234 सीटों वाले तमिलनाडु में सत्ता की चाबी अक्सर चेन्नई की उन 16 सीटों के पास रहती है, जिन्हें तमिलनाडु की राजनीति का सबसे भरोसेमंद बैरोमीटर कहा जाता है। जिसने चेन्नई जीता वही तमिलनाडु का सिकंदर बना है। पिछले चुनाव में चेन्नई की 16 सीटें डीएमके गठबंधन के खाते में गईं। यहां

उन्हें तब 54.68 प्रतिशत वोट मिले थे। चेन्नई में भारी मतदान ने ही डीएमके को प्रदेश में क्लीन स्वीप करने में मदद की। चेन्नई और प्रदेश की राजनीति का अटूट रिश्ता रहा है जहां 1967 और 1971 में डीएमके फिर 1977 से 1984 तक लगातार एआईएडीएमके ने इस शहर को जीतकर राज्य में सत्ता हासिल की। 1989 में डीएमके की वापसी के बाद 1991 में एआईडीएमके 1996 में डीएमके, 2000 में एआईडीएमके और 2006 में फिर डीएमके ने चेन्नई के जरिए तमिलनाडु का किला फतेह किया था।

स्टालिन दुबारा सरकार बनाकर तोड़ेंगे रिकॉर्ड

राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि अगर एम के स्टालिन की अगुवाई वाली डीएमके तमिलनाडु में जीत हासिल करती हैं तो स्टालिन अपने पिता और डीएमके संस्थापक एम करुणानिधि का रिकॉर्ड तोड़ देंगे। एम करुणानिधि तमिलनाडु के चार बार मुख्यमंत्री रहे लेकिन वह कभी भी सरकार को रिपीट नहीं कर पाए। अगर स्टालिन यह करिश्मा कर पाते हैं तो वह तमिलनाडु के चौथे सीएम होंगे। जो लगातार दूसरे टर्म के लिए रिपीट होंगे।

नतीजों में अहम भूमिका होगी

राज्य का सामाजिक समीकरण भी चुनावी नतीजों में अहम भूमिका निभाता है। बहुसंख्यक हिंदू आबादी के भीतर पिछड़ी, अत्यंत पिछड़ी और दलित जातियों का बड़ा हिस्सा है, जो राजनीतिक दलों की रणनीति का केंद्र रहता है। विजय खुद वेल्लालर समुदाय से आते हैं, जो राज्य का प्रभावशाली कृषक वर्ग माना जाता है। इस बार तमिलनाडु के मतदाताओं के सामने दो से अधिक विकल्प हैं। ऐसे में पारंपरिक वोटिंग पैटर्न में बदलाव की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। अब नजर इस बात पर है कि क्या विजय की टीवीके राज्य की राजनीति में स्थायी जगह बना पाती है या यह चुनौती सिर्फ चुनावी शोर तक सीमित रह जाती है।

ज़िद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

सत्ता से जुड़े लोगों की दबंगई से कब मिलेगी निजात

"आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले जनप्रतिनिधियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं। साथ ही, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को भी यह भरोसा दिया जाना चाहिए कि वे बिना किसी दबाव के कानून के अनुसार काम कर सकते हैं। पुलिस अधिकारियों की सुरक्षा और स्वायत्तता सुनिश्चित करने के लिए संस्थागत तंत्र मजबूत करना होगा ताकि वे राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर निर्णय ले सकें।

इन दिनों सत्ता से जुड़े लोगों की दबंगई की खबरें आना आम बात है। मप्र, राजस्थान, बंगाल से लेकर यूपी तक में लोगों को मारने, गाड़ियों से कुचलने की बातें हमेशा सुर्खियों में रहती है। दबंग इतने ताकतवर होते हैं कि पुलिस भी उनके सामने नतमस्तक होती है। राजनीति को सेवा का माध्यम कहा जाता रहा है, लेकिन आए दिन जनप्रतिनिधियों और उनके परिजनों के आचरण से जुड़ी घटनाएं बताती हैं कि सत्ता की चमक-दमक के आगे जनता उनके लिए कुछ भी नहीं है। मध्य प्रदेश के पिछोर से आई एक घटना ऐसे ही कड़वे सच से जुड़ी है। भाजपा विधायक के पुत्र पर आरोप है कि उसने अपनी लग्जरी कार से कुछ लोगों को कुचलने की कोशिश की। वह भी सिर्फ इसलिए कि उसे सड़क पर रास्ता नहीं दिया गया। हैरत इस बात की है कि अपने पुत्र के इस कृत्य पर संयम और जिम्मेदारी दिखाने के बजाय माननीय ने कार्रवाई करने वाले आइपीएस अधिकारी को ही धमका डाला।

राजनीति विशेषाधिकार का पासपोर्ट बनती जा रही है। यह कई नेताओं और उनके परिजनों के आचरण में साफ दिखता है। साथ ही यह भी कि कानून जैसे उनके लिए नहीं, बल्कि उनके अधीन है। सड़क पर आम नागरिक की तरह चलने का धैर्य भी अगर शहजादों में नहीं बचा, तो यह न केवल व्यक्तिगत विफलता है, बल्कि इसे राजनीतिक संस्कारों को ताक में रखने वाला कृत्य भी कहा जाएगा। यह सवाल सिर्फ एक विधायक या उनके पुत्र तक ही सीमित नहीं है। देश के अलग-अलग हिस्सों से ऐसी घटनाएं समय-समय पर सामने आती रही हैं- कहीं पुलिस को फोन पर धमकाया जाता है, कहीं सरकारी अमले को पहुंच का अहसास कराया जाता है। विडंबना यह भी है कि इस तरह के घटनाक्रम में वर्दी की भूमिका भी कठघरे में आती है। कुछ अफसर तो सत्ता के आगे इतने नतमस्तक हो जाते हैं कि वे अपने दायित्वों को भूल बैठते हैं। जी-हुजूरी और चापलूसी का यह चलन न केवल प्रशासनिक तंत्र को कमजोर करता है, बल्कि उन ईमानदार अधिकारियों का मनोबल भी तोड़ता है, जो नियमों के तहत काम करना चाहते हैं। यही कारण है कि जब कोई अधिकारी नियमों के अनुसार कार्रवाई करता है, तो वह अपवाद बन जाता है और उसी पर दबाव बनाने की कोशिश होती है। सवाल यह है कि क्या जनता के प्रतिनिधियों के परिवार कानून से ऊपर हैं? अगर जवाब नहीं है, तो फिर कार्रवाई का अभाव इस नहीं को हां में बदलने का काम कर रहा है। यहां राजनीतिक दलों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। शुचिता और नैतिकता की राजनीति के दावे तभी सार्थक होंगे, जब ऐसे मामलों में त्वरित और सख्त कार्रवाई की मिसाल पेश की जाए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मुफ्त की राजनीति से अकर्मण्य होती पीढ़ी

क्षमा शर्मा

पिछले दिनों तमिलनाडु, केरल, असम, पुडुचेरी तथा पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों को लेकर खासी गहमागहमी रही। बाकी राज्यों में चुनाव संपन्न हो चुके हैं और पश्चिम बंगाल में अब दूसरे चरण का मतदान बाकी है। हर दल अपनी-अपनी जीत के लिए उत्साहित है। बड़ी-बड़ी घोषणाएं भी की जाती रही हैं कि अगर हम चुनाव में जीते, तो महिलाओं के खाते में हर माह, या हर साल इतने हजार ट्रांसफर करेंगे। युवाओं को इतना पैसा देंगे। किसानों का बिजली का बिल माफ कर देंगे। ये देंगे, वो देंगे। यानी कि मुफ्त की रेवड़ियों का बाजार लगा रहा है। इस हाथ वोट दो, उस हाथ ये लो। यानी कि वोट की कीमत कैश या काइंड में मापी जा रही है। सत्तर के दशक में महिलाओं-पुरुषों को साड़ियां, धोतियां बांटकर, ट्रांजिस्टर देकर, वोट देने से पहले की रात नकदी देकर काम चला लिया जाता था, लेकिन अब हजारों रुपये भी कम पड़ जाते हैं।

इस दल ने हमें यह दिया है, दूसरा दल अगर उससे ज्यादा दे रहा है, तो बस वोट उसी को। फिर मान लीजिए पिछले इलेक्शन में अगर इतना रुपया मिला था, इस बार भी उतने का ही वादा हो, तो क्या खास दिया। ज्यादा दो, तो कुछ बात बने। इस लालच को बढ़ाने में अधिकांश राजनीतिक दल बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। वे जानते हैं कि लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता आदि का कोई मतलब नहीं, लोगों को असली मतलब इस बात से होता है कि सरकार उन्हें मुफ्त में क्या दे रही है। याद है हमें कि नब्बे के दशक में सोवियत संघ के विघटन के बाद, जब पूर्वी यूरोप के समाजवादी गुट में शामिल देश एक-एक करके टूट रहे थे, तो मशहूर मीडिया पर्सनेलिटी प्रणय राय ने एक कार्यक्रम में कहा था कि नाउ देअर विल बी नो फ्री लंच। यानी कि अब मुफ्त में कुछ नहीं मिलेगा। इन देशों के गिरने के पीछे यही कारण बताया जाता था कि यहां की आर्थिक स्थिति को वहां की सरकारों ने ही लोगों में मुफ्त सब कुछ पाने की आदत डालकर, तबाह कर दिया था। इसलिए वे समाजवादी होते हुए भी पूंजीवाद के सामने एक-एक करके धराशायी हो गए।

हमारे यहां जितने भी राजनीतिक दल हैं, उन सबने इन स्थितियों को देखा है। बैठकर खाने के मुकाबले परिश्रम का कोई विकल्प नहीं है, ये भी जानते ही हैं। यों भी दुनिया में कुछ मुफ्त नहीं मिलता। हो सकता है जिसे दलों द्वारा मुफ्त में सब कुछ मिल रहा है, वह उसकी कीमत न चुका रहा हो, लेकिन

कीमत तो चुकानी ही पड़ती है, चाहे तरह-तरह के कर देकर देश की जनता चुकाए या सरकारें विश्व बैंक या अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के सामने कटोरा लेकर चले जाएं। मगर विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के ऋण भी ब्याज समेत चुकाने ही पड़ते हैं, इन संस्थाओं की कठोर शर्तें भी माननी पड़ती हैं। वे भी देश की जनता के ही सिर होते हैं। दरअसल, कोई भी सरकार तो कुछ कमाती नहीं है। जतना चाहो निचोड़ो। आम तौर पर ये लोग मध्यवर्ग के होते हैं क्योंकि अमीर लोग तो सारी सुख, सुविधाओं, लाखों-करोड़ के मालिक होने के बावजूद, बेचारे अपना ऋण नहीं चुका पाते और सरकारें उन पर रहम करके माफ कर देती हैं। लेकिन मध्यवर्ग करदाता के लिए शायद ही किसी दल के पास कोई योजना हो। ये लोग अपनी मेहनत से पढ़-लिखकर नौकरियां प्राप्त करते हैं, ऋण लेकर घर बनाते हैं, शादी-ब्याह अपने खर्चे से करते हैं। बच्चों को पढ़ाते हैं लेकिन कोई इनकी सुध नहीं लेता, क्योंकि मान लिया गया है कि यह तो सम्पन्न वर्ग है। इसे किसी सरकारी सहायता की जरूरत नहीं। इसकी जेबों से पैसा निकालकर सरकारें वोट बटोरने के लिए लोकप्रियतावादी, जिसे अंग्रेजी में पॉपुलिज्म कहते हैं, का रास्ता अपनाती हैं। वोटर्स के लिए तरह-तरह की ऐसी मुफ्त की योजनाएं लाई जाती हैं, जिनसे सरकारी खजाना खाली होता जाता है। राज्य सरकारों से लेकर केंद्र सरकार तक मुफ्त की रेवड़ियां बांटने से परहेज नहीं करतीं। हालात यहां तक पहुंच गए हैं कि बहुत सारी राज्य सरकारों के खजाने खाली हैं। उन पर लाखों करोड़ का कर्ज है, कर्मचारियों को वेतन देने के पैसे नहीं हैं जैसा कि कुछ दिन पहले हमने हिमाचल प्रदेश में देखा था, लेकिन वोटर भगवान वोट दे दे, इसके लिए खजाना खाली होता रहे, तो क्या हुआ।

लोग कहते हैं कि दलों का वश नहीं चलता वर्ना वे वोटर्स को सूरज, चांद और आसमान को भी मुफ्त में बांट दें। पिछले साल बिहार के चुनाव से पहले अड़तीस हजार करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। हालत यह हो गई थी कि वहां की सरकार के पास जरूरी खर्चों के लिए भी पैसे नहीं बचे थे। एक अनुमान के अनुसार विभिन्न सरकारों द्वारा महिलाओं के लिए जो मुफ्त की योजनाएं चलाई जा रही हैं, उनकी राशि एक लाख, अड़सठ हजार, चालीस करोड़ तक पहुंच सकती है। किसी जमाने में 'अजगर करे न चाकरी पंछी करे न काम, दास मलूका कह गए सबके दाता राम' को उन लोगों को निंदा के रूप में सुनाया जाता था, जो कुछ नहीं करना चाहते थे, लेकिन अब तो लगता है कि सरकारें

जन भागीदारी से बेहतर जल प्रबंधन की पहल

दीपक कुमार शर्मा

जलवायु परिवर्तन व भूजल स्तर में गिरावट आदि के चलते जलापूर्ति की चुनौती बढ़ी है। हरियाणा में ग्रामीण पेयजल प्रणालियों का संचालन और रखरखाव नीति 2026 के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में जल प्रबंधन का नया मॉडल प्रस्तुत किया गया है। जो जल जीवन मिशन के लक्ष्यों के अनुसार प्रदेश में सरकारी तंत्र संग समुदाय की सक्रिय भागीदारी पर आधारित है।

भारत में जल केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक व सांस्कृतिक जीवन का आधार है। सरकार द्वारा शुरू किए गए जल जीवन मिशन ने ग्रामीण भारत में हर घर तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसमें समुदाय की भागीदारी को खास महत्व दिया गया है। हरियाणा में इसी दृष्टि से ग्रामीण पेयजल प्रणालियों का संचालन और रखरखाव नीति 2026 लागू की गयी है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में जल प्रबंधन के एक नए मॉडल को प्रस्तुत करती है। इस नीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है कि इसमें केवल सरकारी तंत्र ही नहीं, बल्कि ग्राम स्तर पर समुदाय की सक्रिय भागीदारी को केंद्र में रखा गया है। सरकार, ग्राम पंचायत, ग्राम जल एवं सीवरेज समिति तथा जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन जैसे संस्थानों की साझेदारी से व्यवस्था विकसित करने का प्रयास किया गया है।

इस व्यवस्था में ग्राम जल एवं सीवरेज समिति गांव स्तर पर जल प्रबंधन की मुख्य इकाई के रूप में कार्य करती है। यह समिति ग्राम पंचायत के अंतर्गत कार्य करते हुए जल आपूर्ति प्रणाली के संचालन, रखरखाव, निगरानी और राजस्व संग्रह की जिम्मेदारी निभाती है। समिति सुनिश्चित करती है कि गांव के प्रत्येक घर तक सुरक्षित और पर्याप्त जल आपूर्ति हो, और जल आपूर्ति प्रणाली में किसी प्रकार की तकनीकी या प्रशासनिक समस्या उत्पन्न होने पर उसका समाधान समय पर किया जाए। साथ ही, इससे महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा मिलता है और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होते हैं। जब गांव के लोग स्वयं बिलिंग, निगरानी और रखरखाव की प्रक्रिया में भाग लेते हैं, तो पारदर्शिता व जिम्मेदारी बढ़ती हैं। ग्रामीण स्तर की इस व्यवस्था को मजबूत बनाने में हरियाणा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह संगठन ग्रामीण क्षेत्रों में जल एवं स्वच्छता से संबंधित कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए समुदाय को जागरूक करने, प्रशिक्षण देने और संस्थागत क्षमता विकसित करने का कार्य करता है।

खास तौर से यह संगठन सूचना, शिक्षा और संचार गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण, स्वच्छता और सुरक्षित जल उपयोग के प्रति जागरूक करता है। यह विभाग जलस्रोतों का विकास, पाइपलाइन नेटवर्क का निर्माण, जल शोधन संयंत्रों की स्थापना और भंडारण संरचनाओं का निर्माण जैसे तकनीकी कार्यों की जिम्मेदारी निभाता है।

नई व्यवस्थाओं के तहत जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह ग्राम पंचायतों और ग्राम जल एवं सीवरेज समितियों को तकनीकी मार्गदर्शन भी प्रदान करता है। यदि किसी गांव में जल आपूर्ति प्रणाली में कोई तकनीकी समस्या उत्पन्न होती है, तो विभाग के अधिकारी और अभियंता उसका समाधान करने में मदद करते हैं। जल प्रबंधन की सफलता के लिए वित्तीय स्थिरता भी आवश्यक है। जल आपूर्ति प्रणालियों के संचालन और रखरखाव के लिए निरंतर वित्तीय संसाधनों की जरूरत होती है। इसी उद्देश्य से उपयोगकर्ता शुल्क और जल बिलिंग प्रणाली को लागू किया गया है। जब उपभोक्ता अपने उपयोग के अनुसार जल शुल्क का भुगतान करते हैं, तो इससे जल योजनाओं के संचालन के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध होते हैं और प्रणाली लंबे समय तक सुचारु रूप से चलती रहती है। इसके साथ ही जल संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। भूजल स्तर में लगातार गिरावट को देखते हुए यह आवश्यक हो गया है कि जल का उपयोग जिम्मेदारी के साथ किया जाए। वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों का संरक्षण और पानी की बर्बादी को रोकना आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है।

जल जीवन मिशन के जरिये देशभर में जल संरक्षण को जन आंदोलन के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। जब गांव में हर घर तक स्वच्छ पानी पहुंचता है, तो महिलाओं और बच्चों का पानी लाने में लगने वाला समय बचता है। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक गतिविधियों के लिए अधिक अवसर उपलब्ध होते हैं। इसमें केंद्र सरकार की पहल जल जीवन मिशन, राज्य सरकार की नीतियां, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की तकनीकी क्षमता, जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन की जागरूकता और ग्राम जल एवं सीवरेज समितियों की स्थानीय भागीदारी-ये सभी मिलकर एक मजबूत तंत्र का निर्माण करते हैं। यदि इस नीति को प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है, तो यह न केवल हरियाणा बल्कि पूरे देश के लिए ग्रामीण जल प्रबंधन का एक सफल मॉडल बन सकती है।

हीट स्ट्रोक का बढ़ती गर्मी में बढ़ा खतरा

प्रदेश सहित देश के कई हिस्सों में गर्मी ने समय से पहले ही अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। सुबह से तेज धूप, दोपहर में गर्म हवाएं और लगातार बढ़ता तापमान आमजन के लिए परेशानी का कारण बन रहा है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में तापमान में और वृद्धि की संभावना जताई है। ऐसे में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को हीट स्ट्रोक (लू लगना) से बचने के लिए विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। डॉक्टरों के अनुसार, गर्मी के मौसम में शरीर का तापमान सामान्य बनाए रखना बहुत जरूरी होता है। जब तेज धूप, गर्म हवाओं और शरीर में पानी की कमी के कारण तापमान नियंत्रण बिगड़ जाता है, तब व्यक्ति हीट स्ट्रोक का शिकार हो सकता है। यह स्थिति गंभीर होने पर जानलेवा भी साबित हो सकती है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक धूप का असर सबसे ज्यादा होता है। इस दौरान सूरज की किरणें सीधी पड़ती हैं और गर्म हवाएं चलती हैं, जिससे शरीर जल्दी प्रभावित होता है।

क्या है हीट स्ट्रोक?

हीट स्ट्रोक वह अवस्था है जब शरीर का तापमान अत्यधिक बढ़ जाता है और शरीर खुद को ठंडा नहीं कर पाता। सामान्य तौर पर पसीना निकलने से शरीर ठंडा होता है, लेकिन जब गर्मी बहुत ज्यादा हो और शरीर में पानी की कमी हो जाए, तब यह प्रक्रिया प्रभावित हो जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि शरीर का तापमान 104°F (40°C) या उससे अधिक हो जाए, तो स्थिति खतरनाक मानी जाती है।

अपनाएं घरेलू पेय पदार्थ

शरीर को ठंडा और हाइड्रेट रखने के लिए घरेलू पेय काफी लाभकारी हैं। जिनमें नींबू पानी, छाछ, लस्सी, नारियल पानी, बेल का शरबत, आम पना और सत्तू पेय का उपयोग करें। इसके अलावा खाली पेट बाहर जाने से कमजोरी जल्दी महसूस हो सकती है। इसलिए हल्का नाश्ता करके निकलें, फल खाएं, दही लें और सलाद लें। वहीं गर्मी में शरीर से पसीने के रूप में लगातार पानी निकलता रहता है। ऐसे में पानी की कमी न होने दें। हर थोड़ी देर में पानी पिएं। प्यास लगने का इंतजार न करें। घर से बाहर निकलते समय पानी की बोतल साथ रखें।

अधिक चाय-कॉफी से बचें

शराब और ज्यादा कैफीन शरीर में पानी की कमी बढ़ा सकते हैं। इसलिए शराब से दूरी रखें, इसके अलावा अधिक चाय-कॉफी न लें वहीं कोल्ड ड्रिंक सीमित मात्रा में लें। इसके अलावा जरूरी काम सुबह या शाम में करें, दोपहर में बाहर निकलने से बचें, बुजुर्ग और बच्चों को घर के अंदर रखें। वहीं जो लोग खेतों, सड़कों या निर्माण स्थलों पर काम करते हैं, उन्हें सुबह जल्दी काम शुरू करें, दोपहर में आराम करे, सिर ढककर काम करें, हर आधे घंटे में पानी पिएं और साथी कर्मचारियों की हालत पर नजर रखें।

तला-भुना कम खाएं

अत्यधिक मसालेदार और भारी भोजन गर्मी में परेशानी बढ़ा सकता है। इसलिए हल्का भोजन करें, मौसमी फल खाएं, खीरा, ककड़ी,तरबूज, खरबूजा लें और ज्यादा तेल-मसाले से बचें। खास कर बच्चों के खान पान और उनके कार्य पर विशेष सावधानी जरूरी है। बच्चों को दोपहर में बाहर खेलने न भेजें, समय-समय पर पानी पिलाएं, हल्के कपड़े पहनाएं ,ज्यादा कमजोरी लगे तो डॉक्टर दिखाएं।

सही कपड़े पहनें

गर्मी में कपड़ों का चुनाव भी बहुत जरूरी है। हल्के रंग के कपड़े पहनें। सूती कपड़े पहनें। ढीले कपड़े पहनें। काले और मोटे कपड़ों से बचें। बाहर निकलते समय तेज धूप से बचाव जरूरी है इसलिए टोपी पहनें, गमछा रखें, छाता लें और सनग्लास का भी उपयोग करें। गर्मी के मौसम में थोड़ी सी सावधानी बड़ी समस्या से बचा सकती है। पर्याप्त पानी, सही खानपान, धूप से बचाव, आराम और समय पर उपचार से हीट स्ट्रोक से बचा जा सकता है।

मनीष कुमार मौर्य

हंसना मना है

सर- अंग्रेजों ने चांद पर पानी और बरफ की खोज कर ली है। बताओ इससे तुमने क्या सिखा? संता - बस हमें अब सिर्फ दारु और नमकीन लेके जाना है!

हसबैंड वाईफ में लड़ाई हुई, हसबैंड घर से चला गया, हसबैंड- रात को फोन पे, खाने में क्या है, वाईफ- जहर। हसबैंड- मैं देर से आऊंगा, तुम खा कर सो जाना।

टीचर- सेमिस्टर सिस्टम के फायदे बताओ? स्टूडेंट- फायदे तो पता नहीं, पर बेइजत्ती साल में 2 बार हो जाती है।

भिखारी- कुछ खाने को दे दो, लड़की- टमाटर खाओ, भिखारी- रोटी दे दो, लड़की- टमाटर खाओ, भिखारी- अच्छा लाओ टमाटर ही दे दो, लड़की की मां- अरे तुम जाओ बाबा ये तोतली है। कह रही है..कमा कर खाओ।

वाईफ- अगर मैं माउंट एवरेस्ट पर चढ़ूं तो आप मुझे क्या दोगे? हसबैंड- पगली, इसमें पूछने वाली क्या बात है। धक्का।

उसने मुझसे पूछा-चाहोगे मुझे कब तक, मैंने भी मुस्कुराके कह दिया, मेरी बीवी- को न पता चले तब तक।

कहानी — कर भला तो हो भला

गुप्ता जी की दुकान कस्बे से दूर एकदम वीराने में थी जहां के लिए साधन यदा कदा ही मिलता था, तो अक्सर लिफ्ट या पैदल ही घर आते थे। धीरे-धीरे कुछ जमापूंजी इकट्ठा कर, उन्होंने एक स्कूटर ले लिया। और प्रण लिया कि वो कभी किसी को लिफ्ट के लिए मना न करेंगें। अब गुप्ता जी रोज कोई न कोई उनके साथ जाता। एक रोज लिफ्ट दी तो उस व्यक्ति ने चाकू निकाल गुप्ता जी की पीठ पर लगा दिया। जितना रुपया है वो, और ये स्कूटर मेरे हवाले करो। गुप्ता जी की सिट्टी पिट्टी गुम, डर के मारे स्कूटर रोक दिया। और निवेदन किया कि तुम कभी किसी को ये मत बताना कि ये स्कूटर तुमने कहां से और कैसे चोरी किया, विश्वास मानो मैं भी रपट नहीं लिखाउंगा। व्यक्ति बोला क्यों? क्योंकि यह रास्ता बहुत उजड्ड है, निरा वीरान। सवारी मिलती नहीं, उस पर ऐसे हादसे सुन आदमी लिफ्ट देना भी छोड़ देगा। व्यक्ति का दिल पसीजा, उसे गुप्ता जी भले मानुष प्रतीत हुए, पर धंधा तो धंधा होता है। ठीक है कहकर- वह व्यक्ति स्कूटर ले उड़ा। अगले दिन गुप्ता जी सुबह सुबह अखबार उठाने दरवाजे पर आए, तो स्कूटर सामने खड़ा था। गुप्ता जी की खुशी का ठिकाना न रहा, दौड़ कर गए और अपने स्कूटर को बच्चे जैसा प्यार करने लगे, देखा तो उसमें एक कागज भी लगा था। गुप्ता जी, यह मत समझना कि तुम्हारी बातें सुन मेरा हृदय पिघल गया। मैंने सोचा कबाड़ी वाले के पास बेच दूं। कबाड़ी बोला- अरे ये तो गुप्ता जी का स्कूटर है, तो मैं बोलो गुप्ता जी ने मुझे बाजार कुछ काम से भेजा है - कहकर मैं बाल बाल बचा। फिर मैं एक हलवाई की दुकान गया, तो हलवाई बोला अरे ये तो गुप्ता जी का स्कूटर है तो मैं बोला हां, उन्हीं के लिये तो ये सामान ले रहा हूं, फिर शहर के नाके पर एक पुलिस वाले ने मुझे पकड़ लिया। कहां, जा रहे हो और ये गुप्ता जी का स्कूटर तुम्हारे पास कैसे - वह मुझ पर गुर्राया। किसी तरह उससे भी बहाना बनाया। हे,गुप्ता जी तुम्हारा यह स्कूटर है या आमिताभ बच्चन। सब इसे पहचानते हैं। आपकी अमानत मैं आपके हवाले कर रहा हूं, इसे बेचने की न मुझमें शक्ति बची है न हौसला।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी।

वृषभ

रुके हुए कार्यों में गति आएगी। घर-बाहर सभी अपेक्षित कार्य पूर्ण होंगे। दूसरों के कार्य की जवाबदारी न लें। वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

मिथुन

नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। छोटे भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी।

कर्क

मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। लेन-देन में सावधानी रखें। शत्रुओं का पराभव होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। भय रहेगा। प्रमाद न करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

सिंह

व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मातहतों से अनबन हो सकती है। कुसंगति से हानि होगी। पारिवारिक समस्याओं में इजाफा होगा।

कन्या

सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। किसी बड़े काम करने की योजना बनेगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

तुला

जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

वृश्चिक

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु

वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों के कार्य में दखल न दें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। लाभ बढ़ेगा।

मकर

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

कुम्भ

सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। आय बढ़ेगी। घर में प्रसन्नता रहेगी। ऐश्वर्य पर व्यय हो सकता है।

मीन

व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होगा। बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। विवेक से कार्य करें।

हालीवुड | रिलीज डेट

24 जुलाई को सिनेमाघरों में धूम मचाएगी फिल्म द इंडिया स्टोरी

काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े अपनी आगामी फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। यह एक सोशल-पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म है। फिल्म का नाम द इंडिया स्टोरी है। इसकी रिलीज डेट का एलान कर दिया गया है। फिल्म जुलाई में दर्शकों तक पहुंचेगी। काजल और श्रेयस तलपड़े की द इंडिया स्टोरी 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में खेती में रसायनों के दुरुपयोग और उनके खतरनाक प्रभावों के बारे में दर्शाया जाएगा। खासतौर पर यह फिल्म कीटनाशक खेती और उससे जुड़े घोटालों के संदर्भ में है। यह फिल्म मूल रूप से किसी एक व्यक्ति की कहानी से आगे बढ़कर एक बड़े व्यवस्थागत संकट पर केंद्रित है। यह पर्यावरणीय चिंताओं और औद्योगिक लापरवाही पर प्रकाश डालती है और साथ ही कॉर्पोरेट जवाबदेही पर भी सवाल उठाती है। MIG प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज के सहयोग से जी स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है, जबकि इसकी कहानी सागर बी. शिंदे ने लिखी और इसका निर्माण भी उन्होंने ही किया है। फिल्म की थीम के बारे में बात करते हुए प्रोड्यूसर सागर बी. शिंदे ने कहा कि यह कहानी एक ऐसी सच्चाई को दिखाती है, जो अनगिनत लोगों की जिंदगी पर असर डालती है, लेकिन अक्सर लोगों की नजर से छूट जाती है। उन्होंने एक बयान में कहा, हमने यह कहानी इसलिए चुनी, क्योंकि यह एक ऐसी सच्चाई को दिखाती है जो अक्सर लोगों की नजर से छूट जाती है, लेकिन पूरे देश में अनगिनत लोगों की जिंदगी पर असर डालती है। केमिकल्स का गलत इस्तेमाल, खासकर कीटनाशक वाली खेती में, सिर्फ पर्यावरण से जुड़ी चिंता ही नहीं है, बल्कि यह एक मानवीय संकट भी है। हम चाहते हैं कि इस फिल्म के जरिए लोगों में जागरूकता फैले और वे जवाबदेही और बदलाव के बारे में सार्थक बातचीत शुरू करें। यह फिल्म हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में रिलीज होगी।

फिर से बड़े पर्दे पर वापसी करेंगी प्रीति जिंटा, सनी देओल के साथ आयेंगी नजर

प्रीति जिंटा फिल्मी दुनिया से ज्यादा क्रिकेट वर्ल्ड में एक्टिव हैं। वह आईपीएल में पंजाब किंग्स क्रिकेट टीम की मालकिन हैं। अपनी टीम को सपोर्ट करने के लिए इन दिनों में वह आईपीएल में अक्सर नजर आती हैं। हाल ही में फैंस से भी सोशल मीडिया के जरिए प्रीति जिंटा रूबरू हुईं। उन्होंने फैंस को सवाल बेबाकी से पूछने के लिए कहा और मजेदार जवाब भी दिए। इन दौरान प्रीति जिंटा ने अपनी अपकमिंग फिल्मों के बारे में बताया, साथ अपने फेवरेट एक्टर का जिक्र भी किया।

प्रीति जिंटा से फैन ने पूछा कि उन्हें क्रिकेट और फिल्मों में से किसी एक को चुनना पड़ा तो वह किसका चुनाव करेंगी। इस पर प्रीति जवाब देती हैं, 'मैंने 18 साल पहले क्रिकेट को चुना था। इस साल दो फिल्मों में नजर आऊंगी। मैं सनी देओल के साथ एक फिल्म कर रही हूं। यह 13 अगस्त 2026 को रिलीज होगी।'

एक फैन ने प्रीति जिंटा से पूछा कि उनका फेवरट एक्टर कौन है? इस सवाल के जवाब में प्रीति जिंटा ने जवाब दिया, 'मैंने 'फर्ज' फिल्म के सेट पर दारा सिंह जी को देखा था। मैं उन्हें देखती ही रह गई थी। मेरी दादी बचपन में हमें रामायण दिखाती थीं। बाद में मुझे पता चला कि हनुमान जी का रोल दारा सिंह ने निभाया था। वह मेरे पसंदीदा एक्टर रहे हैं।' जब फैन ने अच्छी फिल्म सजेस्ट करने का सवाल किया तो प्रीति जिंटा ने 'धुरंधर' का नाम लिया। वह फिल्म को 5 स्टार भी देती हैं। इस तरह कहीं ना कहीं प्रीति जिंटा भी रणवीर सिंह स्टारर फिल्म की कायल हो चुकी हैं।

फिल्म 'गवर्नर' में मनोज बाजपेयी संग काम करके खुश हैं अदा शर्मा

अदा शर्मा जल्द ही फिल्म गवर्नर में मनोज बाजपेयी के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। यह पहली बार है, जब दोनों सितारे पहली बार साथ काम कर रहे हैं। इस फिल्म से मनोज और अदा का फर्स्ट लुक सामने आ चुका है। हाल ही में अभिनेत्री ने मनोज बाजपेयी के साथ काम करने का अनुभव साझा किया।

अदा शर्मा ने आगामी फिल्म में मनोज बाजपेयी के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए खुशी जताई है। उन्होंने कहा ,मुझे उनके साथ स्क्रीन शेयर करके बहुत खुशी हो रही है। हमारे डायरेक्टर बहुत ही बेहतरीन हैं, जो खुद भी एक शानदार एक्टर हैं। उन्होंने मनोज बाजपेयी की तारीफ करते हुए उन्हें शानदार बताया। अदा ने बताया है कि वे उनके साथ काम करके बेहद खुश हैं। अदा शर्मा ने मनोज के साथ पहली बार काम करने के बारे में बात करते हुए कहा, वह इस फिल्म का चेहरा हैं। गवर्नर में वह गवर्नर की भूमिका निभा रहे हैं, और वे वाकई जबर्दस्त हैं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, उनके साथ काम करके अच्छा लग रहा है। हमारे डायरेक्टर बहुत ही बेहतरीन हैं। मेरे किरदार में भी एक अच्छा-खासा सरप्राइज है और यह कुछ ऐसा रोल है, जो मैंने पहले कभी नहीं किया है। हालांकि, अदा ने अपनी आने वाली फिल्म में अपने किरदार के बारे में ज्यादा डिटेल्स साझा नहीं कीं।

अजब-गजब | ये है दुनिया का सबसे आलसी जानवर

22 घंटे है सोता, कुंभकर्ण को देता है टक्कर यह जानवर!

अगर आप सोचते हैं कि सिर्फ कुंभकर्ण ही छह महीने तक सो सकता था तो आपको जानकर हैरानी होगी कि मध्य और दक्षिण अमेरिका के जंगलों में रहने वाला स्लॉथ नाम का जानवर रोजाना 20 से 22 घंटे तक सोता रहता है। ये इतना कामचोर है कि खाना खाने में भी आलस करता है, चलने-फिरने की बजाय पेड़ पर उल्टा लटककर जिंदगी बिताता है और कई बार इसी आलस की वजह से उसकी मौत हो जाती है।

स्लॉथ दो प्रकार के होते हैं, टू-टोएड और थ्री-टोएड। थ्री-टोएड स्लॉथ ज्यादा आलसी माने जाते हैं। ये जानवर इतने सुस्त हैं कि उनकी चाल की रफ्तार सिर्फ 0.24 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। यानी अगर कोई स्लॉथ किसी पेड़ से दूसरे पेड़ पर जाना चाहे तो उसे पूरा एक दिन लग सकता है। वैज्ञानिकों के अनुसार इनका मेटाबॉलिज्म इतना कमजोर होता है कि वे दूसरे स्तनधारियों की तुलना में सिर्फ एक तिहाई ऊर्जा इस्तेमाल करते हैं। यही वजह है कि वे दिन में ज्यादातर समय सोते रहते हैं।

स्लॉथ का पूरा जीवन पेड़ों पर बीतता है। वे शायद ही कभी जमीन पर उतरते हैं। हफ्ते में सिर्फ एक बार शौच के लिए नीचे आते हैं और फिर तुरंत वापस चढ़ जाते हैं। इस दौरान वे इतने धीमे होते हैं कि शिकारी

आसानी से उन्हें पकड़ सकते हैं। लेकिन प्रकृति ने उन्हें एक खास बचाव दिया है। उनके फर पर हरे रंग का शैवाल उग आता है। इससे वे पेड़ों के साथ घुल-मिल जाते हैं और शिकारियों से छिप जाते हैं। उनका फर उल्टी दिशा में बढ़ता है ताकि बारिश का पानी आसानी से बह जाए। फोटोग्राफर ने जंगल में इस कामचोर जानवर को कैद किया है। ये पेड़ की डाल पर ज्यादातर उल्टा लटका हुआ दिख जाता है। इसकी आंखें बंद, मुंह थोड़ा खुला और बिल्कुल निश्चिंत नजर आता है। देखने वाले हैरान रह जाते हैं कि इतना आलसी जानवर कैसे जिंदा रहता है?

दरअसल स्लॉथ का आहार मुख्य रूप से पत्तियां, टहनियां और फल होता है। लेकिन ये पत्तियां इतनी कम पोषक तत्व वाली होती हैं कि स्लॉथ को इन्हें पचाने में एक महीना तक लग जाता है। इसलिए वे कम खाते हैं और ज्यादा सोते हैं। कई बार खाना ना मिलने या गिरने से उनकी मौत हो जाती है। वैज्ञानिक कहते हैं कि स्लॉथ का शरीर इतना अनुकूलित है कि वे 10 डिग्री सेल्सियस तक का तापमान सहन कर लेते हैं। उनका शरीर इतना धीमा चलता है कि वे हफ्तों तक बिना खाए-पीए रह सकते हैं। लेकिन यही आलस उनके लिए खतरा भी बन जाता है।

अगर वे किसी पेड़ से गिर गए तो वापस चढ़ने में इतना समय लगता है कि शिकारी उन्हें मार सकते हैं। कुछ मामलों में वे भूख से कमजोर होकर मर जाते हैं। फिर भी ये जानवर लाखों साल से जंगलों में अपनी रफ्तार से जी रहे हैं। स्लॉथ की जिंदगी देखकर लगता है कि आलस भी एक सर्वाइवल स्ट्रेटजी है। वे इतने कम ऊर्जा खर्च करते हैं कि उनके पास ज्यादा खाने की जरूरत ही नहीं पड़ती। मादा स्लॉथ साल में सिर्फ एक बच्चा देती है। बच्चा जन्म के तुरंत बाद मां के फर से चिपक जाता है और मां के साथ उल्टा लटककर रहता है। बच्चा भी उसी आलस वाली जिंदगी सीखता है।

दुनिया का 'हत्यारा पहाड़', जहां हर कदम होता है मौत से सामना, 73 साल में कोई नहीं कर पाया चढ़ाई

पृथ्वी पर प्रकृति ने जितनी अद्भुत सुंदरता बिखेरी है, उतनी ही गहराई में रहस्य और खतरे भी छिपे हुए हैं। ऊंचे-ऊंचे पहाड़, कल-कल बहती नदियां और झरनों की मधुर आवाज हर किसी को अपनी ओर खींच लेती है। लेकिन कई बार यही मनमोहक नजारे अचानक डरावने और जानलेवा भी बन जाते हैं। आज हम आपको ऐसे ही एक अनोखे और रहस्यमयी पर्वत के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसकी खूबसूरती जितनी आकर्षक है, उसका खतरा उतना ही खतरनाक इसी वजह से दुनिया इसे 'किलर माउंटेन' या फिर 'हत्यारा पहाड़' के नाम से जानती है। दरअसल, इस खतरनाक पहाड़ का नाम है नंगा पर्वत, जो पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान में स्थित है। इसकी ऊंचाई करीब 8,126 मीटर है, जिससे यह दुनिया का नौवां सबसे ऊंचा पर्वत बनता है। यह हिमालय के पश्चिमी छोर पर स्थित है और पाकिस्तान का दूसरा सबसे ऊंचा पर्वत है, जो K2 के बाद आता है। यह पर्वत सिंधु नदी के सबसे उत्तरी मोड़ के पास स्थित है, जिससे इसकी भौगोलिक स्थिति और भी खास बन जाती है। 'नंगा पर्वत' नाम संस्कृत भाषा से लिया गया है। इसमें 'नंगा' का मतलब होता है बिना पेड़ों या वनस्पति के, यानी एक ऐसा पहाड़ जो पूरी तरह खुला और बर्फ से ढका हुआ दिखता है। 'पर्वत' का मतलब पहाड़। वहां के शिना भाषा में इसे 'डायमर' या 'देओ मीर' भी कहा जाता है, जिसका मतलब 'देवताओं का पहाड़' होता है। यह नाम इसकी विशालता और रहस्यमय सुंदरता को बखूबी दिखाता है। नंगा पर्वत को 'हत्यारा पहाड़' यूं ही नहीं कहा जाता। इसकी चढ़ाई दुनिया की सबसे कठिन और खतरनाक चढ़ाइयों में गिनी जाती है। यहां का मौसम पल भर में बदल जाता है- कभी तेज बर्फबारी, तो कभी भयानक तूफान। इसके अलावा हिमस्खलन (एवलॉन्च) और खड़ी चट्टानें पर्वतारोहियों के लिए बड़ी चुनौती बनती हैं। इतिहास में लंबे समय तक यहां मृत्यु दर काफी अधिक रही है, जो कभी 20 प्रतिशत के आसपास तक पहुंच गई थी। कहा जाता है कि इस पर्वत पर जाने वाले हर 5 में से 1 पर्वतारोही कभी वापस नहीं लौटता। इस खतरनाक पर्वत ने अब तक 95 से अधिक लोगों की जान ले ली है। साल 1953 में पहली बार इस पर सफल चढ़ाई हुई थी, लेकिन उसके बाद से यहां कई हादसे हो चुके हैं। नंगा पर्वत अपनी तीन खास सतहों के लिए प्रसिद्ध है, जो इसकी खूबसूरती और कठिनाई दोनों को दिखाती हैं। इनमें रूपल फेस दुनिया के सबसे ऊंचे पर्वतीय चेहरों में से एक माना जाता है, जिसकी ऊंचाई लगभग 4,600 मीटर है और इसे चढ़ना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है।

बंगाल चुनाव में सिंघम के बाद पुष्पा की एंट्री

पर्यवेक्षक आईपीएस की धमकी के बाद टीएमसी भड़की

» तृणमूल के उम्मीदवार ने आईपीएस पर्यवेक्षक पर किया पलटवार

» ममता बनर्जी ने बीजेपी पर लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण से ठीक पहले राज्य का सियासी पारा अपनी चरम सीमा लांघ चुका है। अब वहां के चनाव में सिंघम व पुष्पा की इंट्री हो गई। बात दें फलता विधानसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार जहांगीर खान और चुनाव आयोग द्वारा तैनात पर्यवेक्षक आईपीएस अजय पाल शर्मा के बीच जारी टकराव ने अब एक विवादित मोड़ ले लिया है।

एक तरफ, ममता बनर्जी के भतीजे और डायमंड हार्बर से लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि 4 मई के बाद वह देखेंगे कि दिल्ली से उनकी मदद के लिए कौन आता है। इसी बीच, उनके करीबी सहयोगी और फलता से टीएमसी उम्मीदवार जहांगीर खान ने उत्तर प्रदेश पुलिस अधिकारी और केंद्रीय पर्यवेक्षक अजय पाल शर्मा को खुलेआम धमकी देते हुए कहा, खेल तुमने शुरू किया है, खत्म मैं करूंगा। इसके अलावा, उन्होंने सीआरपीएफ को उड़ाने की भी धमकी दी।

उन्होंने यह खेल शुरू किया है, लेकिन हम इसे खत्म करेंगे : जहांगीर खान

उत्तर प्रदेश पुलिस अधिकारी और केंद्रीय पर्यवेक्षक अजय पाल शर्मा पर तीखा हमला बोलते हुए, टीएमसी उम्मीदवार जहांगीर खान ने कहा, उन्होंने यह खेल शुरू किया है, लेकिन हम इसे खत्म करेंगे। अभी तो पूरी फिल्म बाकी है, मेरे दोस्त। अगर आप लोगों को लगता है कि आप कुछ सीआरपीएफ जवानों के सहारे बच निकलेंगे, तो आप गलत हैं। यहां की असली ताकत तो जनता है। अगर जनता हमारे साथ चलना शुरू कर दे, तो हम सीआरपीएफ को हटा देंगे। जहांगीर खान ने आगे कहा कि अगर लोग पैदल चलना शुरू कर दें, तो सीआरपीएफ उड़ जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें पता है कि नकेल कैसे कसी जाती है, और पुष्पा स्टाइल में उन्होंने कहा कि टीएमसी के लोगों ने झुकना नहीं सीखा है।

बंगाल की पहचान मिटाने की भाजपा से मिल रही खुली धमकी : ममता बनर्जी

तृणमूल कांग्रेस ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बंगाल गुड बाय टिप्पणी की कड़ी आलोचना की और विपक्षी पार्टी पर राज्य को तोड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया। बीजेपी ने 4 मई को चुनाव नतीजों के बाद सीएम ममता के बाहर जाते हुए एक ग्राफ़िक शेयर किया था, जिस पर लिखा था, बंगाल गुड बाय। टीएमसी ने इस सोशल मीडिया पोस्ट को पश्चिम बंगाल की संस्कृति और भाषा के लिए एक खुली धमकी माना है और आरोप लगाया है कि बीजेपी राज्य के लोगों को एक जैसा बनाना चाहती है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में टीएमसी ने बीजेपी के खिलाफ बांग्ला-विरोधी तंज को दोहराया। टीएमसी ने पोस्ट किया बीजेपी बंगाल में पल्टाना दरकार और पोरिबर्तन के नारे लगाते हुए आई थी। अब वे खुले तौर पर बंगाल गुड बाय कह रहे हैं। यह बंगाल की पहचान से जुड़ी हर चीज़ को मिटाने की एक खुली धमकी है। आइए, हम यह साफ़ कर दें कि बंगाल गुड बाय का असली मतलब क्या है गुड बाय, बंगाल की संस्कृति; गुड बाय, बंगाली भाषा; गुड बाय, बंगाल के महापुरुष; गुड बाय, बंगाल का इतिहास; गुड बाय, बंगाली साहित्य; गुड बाय, बंगाल की विरासत; गुड बाय, बंगाली खाना। बीजेपी बंगाल पर राज नहीं करना चाहती। वे इसे खत्म करना चाहते हैं। वे हमारे मूल स्वरूप को ही बदलना चाहते हैं; हमारी पहचान को अपने एक जैसे, एकछत्र रूप से बदलना चाहते हैं, जिसमें बंगाल की अपनी खासियत, बंगाल के गौरव या बंगाल की आत्मा के लिए कोई जगह न हो। वे उस चीज़ को बदलना चाहते हैं जो बंगाल को बंगाल बनाती है।

सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के दूसरे चरण के मतदान के बीच एक बड़ा कानूनी विवाद सामने आया है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की फायरब्रांड नेता और सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ दिल्ली के मंदिर मार्ग साइबर पुलिस स्टेशन में एक लिखित शिकायत दर्ज की गई है। यह मामला आईपीएस अधिकारी और उत्तर प्रदेश के चर्चित एनकाउंटर स्पेशलिस्ट अजय पाल शर्मा की छवि खराब करने से जुड़ा है। शिकायत के अनुसार,

आरोप लगाया गया है कि सोशल मीडिया पर एक फर्जी एआई जेनरेटेड वीडियो फैलाया गया, जिसका मकसद जनता के बीच भ्रम पैदा करना और चुनावी माहौल को प्रभावित करना था। शिकायत में दावा किया गया है कि वायरल वीडियो कथित तौर पर आईपीएस अधिकारी अजय पाल शर्मा की छवि खराब करने की कोशिश करता है। शर्मा को पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के मतदान से पहले चुनाव पर्यवेक्षक के तौर पर तैनात किया गया था। इसमें आगे आरोप लगाया गया है कि वीडियो की सामग्री में हेरफेर करने या उसे मनगढ़ंत बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक का इस्तेमाल किया गया हो सकता है।

नगर निगम में फिर बढ़ी तबादलों की सरगर्मी

» नगर आयुक्त की मीटिंग से हलचल

» जोनल अधिकारियों से लेकर सफाई इंस्पेक्टरों तक की धड़कनें बढ़ीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम के गलियारों में तबादलों को लेकर एक बार फिर सरगर्मी तेज हो गई है। चर्चा है कि पहले भी मीटिंग के बहाने नगर आयुक्त ने जोनल अधिकारियों से लेकर सफाई इंस्पेक्टरों तक के बड़े स्तर पर तबादले कर दिए थे, बंद लिफाफे में जिसकी गूंज अब तक सुनाई देती है। अब कई टैक्स सुपरिटेंडेंट और जोनल अधिकारी उम्मीदों की डोर थामे बैठे हैं।

उन्हें इंतजार है कि कब किस्मत करवट ले और उन्हें भी किसी गुलाबो जैसे जोन की जिम्मेदारी मिल जाए। अंदरखाने यह भी कहा जा रहा है कि जिसे माता रानी का आशीर्वाद मिल जाए, उसे कोई नहीं रोक सकता, लेकिन अगर ऊपर नाराजगी हो जाए तो फिर बचना मुश्किल है। सूत्रों के मुताबिक कुछ

जोनों में फिलहाल समय काटने का माहौल है। अधिकारी बस दिन गिन रहे हैं। उधर, भीषण गर्मी और बढ़ता तापमान माहौल को और तपाने का काम कर रहा है। कर्मचारियों के बीच यह तंज भी चल रहा है कि लू किसी न किसी को तो लगेगी ही। वहीं नगर निगम द्वारा कर्मचारियों के लिए कूलिंग प्वाइंट पर गुड़, ठंडा पानी और आराम के लिए बेड की व्यवस्था की गई है। हालांकि तबादलों को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन अंदरखाने चल रही हलचल ने पूरे सिस्टम को गर्मा दिया है। सूत्रों के मुताबिक जोन 3, 4, 8, 7 और 5 में बड़े बदलाव की संभावना जताई जा रही है। इन जोनों में तैनात अधिकारियों के बीच बेचैनी बढ़ गई है और हर कोई अपने भविष्य को लेकर कयास लगा रहा है। कई टैक्स सुपरिटेंडेंट और जोनल अधिकारी अभी भी गुलाबो जैसे जोन की आस लगाए बैठे हैं।

आमदनी बढ़ाने का दबाव बढ़ा रहा तनाव

नगर निगम के गलियारों में इन दिनों एक दिलचस्प जोड़ी चर्चा का विषय बनी हुई है। सूत्रों के मुताबिक, जोन से जुड़े दो अहम किरदार–राय और शंकर–के बीच हुई बातचीत ने सिस्टम के भीतर की बेचैनी और दबाव को उजागर कर दिया है। बताया जा रहा है कि शंकर ने अपने करीबी राय से कहा कि उन्होंने पूरी ईमानदारी और मेहनत से न सिर्फ अपनी वसूली बढ़ाई, बल्कि जोन की आमदनी में भी इजाफा किया। खास बात यह रही कि उन्होंने किसी प्रकार की सिफारिश का सहारा नहीं लिया, क्योंकि पहले ही बड़े अधिकारी की तरफ से साफ अल्टीमेटम जारी किया जा चुका था कि सिफारिश कराने वालों को खुद परिणाम भुगतने होंगे। वहीं दूसरी ओर राय भी अपनी परेशानी जाहिर करते नजर आए। उन्होंने कहा कि शंकर से दूरी बनाकर काम करना मुश्किल हो रहा है और जोनल स्तर पर शिकायत या संवाद के लिए कोई ठोस रास्ता नहीं दिख रहा। बातचीत के अंत में दोनों ने मौजूदा हालात से निकलने के लिए एक अलग ही रास्ता चुना–माता रानी के दरबार में जाकर आशीर्वाद लेने का फैसला। उनका मानना है कि जब सिस्टम में समाधान नहीं मिल रहा, तो अब आस आस्था से ही है। अंदरखाने की यह चर्चा न सिर्फ अधिकारियों के मानसिक दबाव को दिखाती है, बल्कि यह भी बताती है कि वसूली, सिफारिश और सख्त आदेशों के बीच काम करना कितना चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है।

महिलाओं से किया वादा भाजपा ने नहीं किया पूरा : आतिशी

» बोलीं नेता प्रतिपक्ष- आप के सात राज्यसभा सदस्यों का भाजपा में शामिल होना असंवैधानिक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने महिलाओं को 2,500 रुपये प्रति माह देने के चुनावी वादे को लेकर भाजपा सरकार पर सवाल उठाए और आम आदमी पार्टी (आप) के सात राज्यसभा सदस्यों के भाजपा में शामिल होने को ''असंवैधानिक'' करार दिया।

आतिशी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पिछले साल हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने जनवरी में वादा किया था कि राष्ट्रीय राजधानी की महिलाओं को उसी साल आठ मार्च से हर महीने 2,500 रुपये उनके बैंक खातों में मिलने लगेंगे। उन्होंने कहा कि महिलाओं से अपने बैंक खातों को मोबाइल नंबर से लिंक करने के लिए कहा गया था और यह आश्वासन दिया गया था कि राशि जमा होने की पुष्टि का संदेश उन्हें मिलेगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, आठ मार्च 2025 गुजर चुका है और अब आठ मार्च 2026 भी बीत गया लेकिन दिल्ली की महिलाओं के खातों में 2,500 रुपये नहीं आए हैं। आतिशी ने आरोप लगाया कि भाजपा ने इस वादे के आधार पर महिलाओं के वोट हासिल किए और कहा कि शहर की महिलाएं अब भी इस वित्तीय सहायता के मिलने का इंतजार कर रही हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि महिलाओं को सार्वजनिक सेवाओं का लाभ लेने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जो महिलाएं पहले डीटीसी बसों में आसानी से सफर करती थीं, अब उन्हें 'पिंक कार्ड' के लिए कतार में खड़ा होना पड़ रहा है, जबकि मुफ्त दवाओं, इलाज और जांच की सुविधाएं भी प्रभावित हुई।

यह कदम दलबदल विरोधी

उन्होंने कहा कि संविधान के अनुसार किसी विलय को मान्यता देने के लिए मूल राजनीतिक दल का विलय होना जरूरी है और इसके लिए विधायी दल के कम से कम दो-तिहाई सदस्यों का समर्थन होना चाहिए। उनके अनुसार, ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जो मूल पार्टी के विलय के बिना केवल दो-तिहाई सांसदों को किसी अन्य दल में शामिल होने की अनुमति देता हो। आम आदमी पार्टी के नेताओं ने भी कहा है कि यह कदम दलबदल विरोधी ढांचे का उल्लंघन करता है और वे इस मुद्दे को संवैधानिक और कानूनी माध्यमों से उठाते रहेंगे।

राजस्थान रॉयल्स ने पंजाब किंग्स को पटका

» 6 विकेट से खत्म किया अजेय पराक्रम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईपीएल के 40वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने पंजाब किंग्स को उसके घर में 6 विकेटों से हराया है। वहीं अब तक अजेय रही पंजाब की टीम का घमंड भी रॉयल्स ने मिट्टी में मिला दिया। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी पंजाब ने 223 रनों का लक्ष्य दिया जिसे रॉयल्स की टीम ने 19.4 ओवर में हासिल कर लिया।

मुल्लापुर में खेले जा रहे इस मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने के मौके को पंजाब किंग्स ने खूब भुनाया। सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्या 11 गेंदों में 29 रनों की विस्फोटक पारी खेलकर आउट हुए। इसके बाद प्रभसिमरन सिंह ने 35 गेंदों में अर्धशतक जड़ते हुए 44 गेंदों में 59 रन बनाए। कूपर कोनोली ने 14 गेंदों में 30 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली जिससे रन रेट मेंटेन रहा। आज के मैच में कप्तान श्रेयस अय्यर रन बनाने के लिए संघर्ष करते दिखे और 27 गेंदों में 30 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं रॉयल्स की तरफ से यशराज पुंजा को 2 और नांद्र बर्गर और आर्चर को एक-एक विकेट मिला। सभी गेंदबाज महंगे साबित हुए और अपने चार ओवर केस्पेल में जडेजा को छोड़कर सभी ने 40 से ऊपर रन दिए। जडेजा ने चार ओवर में 32 रन खर्चे। वहीं 223 रनों का पीछा करने उतरी रॉयल्स की टीम ने हमेशा की तरह विस्फोटक शुरुआत की और सिर्फ पहली 19 गेंदों में ही 50 रन पूरे कर लिए। रॉयल्स को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 58 रन की दरकार थी। शुभम दुबे ने यानसेन की लगातार गेंदों पर छक्के और चौके के साथ रन गति में इजाफा किया लेकिन फर्ग्युसन के अगले ओवर में सिर्फ आठ रन बने।

वैभव सूर्यवंशी 16 गेंदों में 43 रन बनाए

टीम का स्कोर 51 रन पर था तब वैभव सूर्यवंशी 16 गेंदों में 43 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद यशस्वी जायसवाल और ध्रुव जुरेल ने पारी को संभाला। जायसवाल ने 27 गेंदों में 51 रनों की पारी खेली, जबकि ध्रुव जुरैल ने 20 गेंदों में 16 रन बनाए। इसके बाद कप्तान पराग और फरेरा ने पारी को संभाला। हालांकि, 16 गेंदों में 29 रन बनाकर फरेरा आउट हुए।

एससीओ सम्मेलन में राजनाथ सिंह के बयान पर मचा घमासान

कांग्रेस ने कहा-आतंकवाद पर पाकिस्तान को एक शर्मनाक क्लीन चिट दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के एससीओ सम्मेलन में बयान पर बवाल मच गया है। विपक्ष ने इसको लेकर घेरा है। कांग्रेस ने रक्षामंत्री पर आतंकवाद पर पाकिस्तान को एक शर्मनाक क्लीन चिट देने का आरोप लगाया है। पार्टी ने इसे प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका को खुश करने और चीन के सामने समर्पण करने की विदेश नीति का हिस्सा बताते हुए इस बयान को राष्ट्र-विरोधी करार दिया है।

कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सम्मेलन में आतंकवाद के विषय पर पाकिस्तान को शर्मनाक क्लीन चीट दी और यह सब अमेरिका को खुश करने तथा चीन के सामने संतुलित समर्पण की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीति का हिस्सा है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि यह उसी तरह की क्लीन चिट है जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जून, 2020 में भारत-चीन के बीच तनाव के समय अपने बयान से बीजिंग को दी थी।

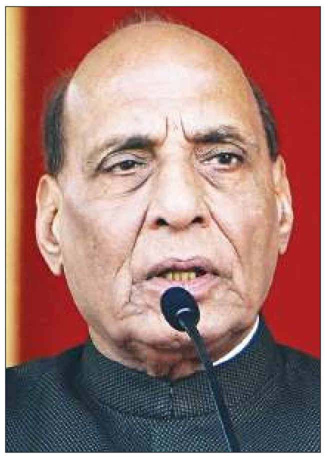

जयराम रमेश ने उठाए तीखे सवाल

उन्होंने सवाल किया , क्या पाकिस्तान आतंकवाद का केंद्र नहीं है? क्या पाकिस्तान में ऐसे आतंकी कैंप नहीं हैं, जिनका निशाना भारत है? क्या पाकिस्तान में भारत-विरोधी सोच को बढ़ावा नहीं दिया जाता? कांग्रेस नेता ने यह भी सवाल किया कि क्या मुंबई और पहलगाम के आतंकी हमलों की साजिश और उन्हें अंजाम पाकिस्तान से जुड़े आतंकियों ने नहीं दिया था? रमेश ने दावा किया कि पाकिस्तान के प्रति यह नया रुख, अमेरिका को खुश करने और चीन के सामने संतुलित समर्पण की प्रधानमंत्री की नीति का ही हिस्सा है। उन्होंने कहा, रक्षा मंत्री के चौंकाने वाले बयान उतने ही राष्ट्र-विरोधी हैं, जितनी 19 जून 2020 को चीन को लेकर प्रधानमंत्री द्वारा दी गई विचित्र क्लीन चिट थी।

रक्षा मंत्री ने कहा था-आतंकवाद की कोई राष्ट्रीयता और कोई धर्म नहीं होता

रक्षा मंत्री ने मंगलवार को कहा था कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने भारत के ''दृढ़ संकल्प'' को दिखाया कि ''आतंकवाद के केंद्रों को न्यायोचित दंड से अब छूट नहीं है।'' सिंह ने शंघाई सहयोग संगठन के एक सम्मेलन में यह भी कहा था, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आतंकवाद की कोई राष्ट्रीयता और कोई धर्म नहीं होता। कोई भी शिकायत, चाहे वास्तविक हो या काल्पनिक, आतंकवाद और मानवीय क्षति का बहाना नहीं बन सकती।'' रमेश ने उनके बयान को लेकर 'एक्स' पर पोस्ट किया, कल रक्षा मंत्री ने स्पष्ट रूप से प्रधानमंत्री मोदी की स्वीकृति और उनके निर्देश पर, बिश्केक में पाकिस्तान को शर्मनाक क्लीन चिट दे दी।

गाजियाबाद के गौर ग्रीन एवेन्यू में भड़की आग 7 मंजिलें चपेट में आयी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजियाबाद। गाजियाबाद के वैभव खंड (इंद्रापुरम) स्थित गौर ग्रीन एवेन्यू सोसाइटी में बुधवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक ऊंची इमारत की 9वीं मंजिल पर भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटों ने विकराल रूप धारण कर लिया और टावर की कम से कम 7 मंजिलों को अपनी चपेट में ले लिया। राहत और बचाव कार्य अभी भी जारी है, लेकिन सोसाइटी के बुनियादी ढांचे और संकरी गलियों ने दमकलकर्मियों के लिए बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है।

आग की लपटों ने टावर की ऊपरी और निचली, दोनों मंजिलों को तेजी से अपनी चपेट में ले लिया, जिससे करीब सात मंजिलें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। लगातार प्रयासों के बावजूद, दमकलकर्मी ढाई घंटे से अधिक समय तक चले अभियान के बाद भी स्थिति को काबू में नहीं ला पाए हैं। उत्तर प्रदेश अग्निशमन सेवा ने ऊपरी मंजिलों तक पहुंचने के लिए हाइड्रोलिक अग्निशमन उपकरणों को तैनात किया; हालांकि, पहुंच की सीमाओं ने बचाव और आग बुझाने के प्रयासों में काफी बाधा डाली है। टावर के सामने का संकरा रास्ता—जहां सोसाइटी के पार्क और सीमित प्रवेश स्थान के कारण केवल एक ही वाहन गुजर सकता है—बड़ी दमकल गाड़ियों और आधुनिक मशीनों के लिए घटनास्थल तक प्रभावी ढंग से पहुंचना मुश्किल बना रहा है। जैसे-जैसे आग फैलती जा रही है, इमारत की संरचनात्मक सुरक्षा और अन्य मंजिलों को संभावित नुकसान को लेकर चिंताएं बढ़ती जा रही हैं।

भाजपाई गुंडों को खूब प्रोत्साहित करते हैं प्रधानमंत्री मोदी: तेजस्वी

» नेता प्रतिपक्ष ने पीएम मोदी पर कसा तंज, सीएम पर भी किया हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर सोशल मीडिया के जरिए हमला किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार चुनाव में मारब सिक्सर की गोली छाती में, गाकर भाजपाई गुंडों को खूब प्रोत्साहित किया था। अब तो उन अपराधियों का ही सीएम है। तेजस्वी यादव ने आगे लिखा,भाजपा सरकार में हत्या होना अब मंगलराज की श्रेणी में आता है।

दरअसल बिहार के भागलपुर जिले में अपराधियों ने दो सरकारी अधिकारियों को गोली मार दी, ज्सिमे एक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि दूरे की हालत गंभीर बनी हुई है। यह घटना सुलतानगंज नगर परिषद कार्यालय की है, जहां अपराधियों ने दिनदहाड़े नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी कृष्ण भूषण कुमार और नगर परिषद सभापति राजकुमार गुड्डू को गोली मार दी। इस घटना में कृष्ण भूषण कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं नगर परिषद सभापति राजकुमार गुड्डू गंभीर रूप से घायल हैं, जिन्हें आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

नोएडा-गाजियाबाद में तेज आंधी के साथ हुई बारिश

» लखनऊ में भी छाए बादल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मौसम एकदम बदल गया है, बुधवार की सुबह पश्चिमी यूपी खासतौर से नोएडा, ग़ाज़ियाबाद, मेरठ और सहारनपुर समेत कई जिलों में बादलों की गड़गड़ाहट के साथ तेज हवाओं के साथ बारिश हुई हैं। मौसम में आए इस बदलाव से लोगों को झुलसाने वाली गर्मी से राहत मिली हैं.।मौसम विभाग ने प्रदेश में अगले कुछ दिन आंधी, बारिश और बिजली गिरने की चेतावनी दी है।

मौसम विभाग के मुताबिक यूपी के दोनों ही संभागों में कहीं-कहीं बारिश के आसार बने हुए हैं.। इस दौरान कई जिलों में तेज आंधी बारिश और वज्रपात का यलो अलर्ट जारी किया गया है। दिल्ली से सटे नोएडा-गाजियाबाद में आज सुबह से ही आसमान में काले बादल छाए हुए है और कई जगहों पर तेज आंधी के साथ बारिश हुई, जिससे लोगों को तपती गर्मी से राहत मिली है और अधिकतम तापमान में भी कमी आई है।

लखनऊ में दोपहर के बाद रिमझिम, लोगों को राहत

मौसम में आए इस बदलाव का असर राजधानी लखनऊ में भी देखने को मिला। दोपहर के बाद यहां मौसम ने करवट बदला। अचानक छाए बादलों से रिमझिम बारिश होने लगी। बारिश होने से तापमान में आए गिरावट से लोगों ने राहत महसूस किया। यहां सुबह से ही आंशिक रूप से बादल छाए थे। दिनभर बादलों की आवाजाही बनी रही। लखनऊ में आज अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस रहा जो दोपहर के बाद कुछ डिग्री कम पा आ गया।

पेंटागन के कबूलनामे पर खुली अमेरिका की पोल

सेना के हेड क्वार्टर ने माना - दुश्मन ने एडवांस्ड मिसाइलें दाग दी तो उसे रोकने का कोई ठोस तरीका नहीं

» ईरान और अमेरिका के बीच भीषण टकराव का खतरा अब भी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका के बीच भीषण टकराव का खतरा बढ़ता जा रहा है। मिडिल ईस्ट में जंग जैसे हालात बन रहे हैं और स्टेट ऑफ होर्मुज में तनाव एकदम चरम पर है। ऐसे हालात में दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश जिसे अपनी ताकत पर बड़ा गुमान है। जिसकी मिसाइलें दुनिया के किसी भी कोने में सटीक वार कर मिनटों में तबाही मचा सकती हैं।

वह अमेरिका आज खुद को बचाने में असमर्थ है। अपनी खुद की रक्षा करने में असमर्थ है। यह किसी का विश्लेषण नहीं बल्कि यह खुद अमेरिकी सेना के हेड क्वार्टर पेंटागन का कबूलनामा है जिसमें उसने खुद मान लिया कि अगर दुश्मन ने एडवांस्ड मिसाइलें दाग दी तो अमेरिका के पास उसे रोकने का कोई ठोस तरीका नहीं है। सवाल यह है कि क्या सुपर पावर की चमक अब फीकी पड़ रही है? या फिर दुनिया हथियारों की दौड़ के सबसे खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुकी है। जहां सबसे पावरफुल देश भी खुद को असुरक्षित महसूस करने लगा है। पेंटागन ने यह बात वाशिंगटन में हुई कांग्रेसल हियरिंग के दौरान कबूल की है। अमेरिका की घटती सैन्य क्षमता को स्वीकार करने वाले अधिकारी का नाम है मार्क बेकोविड्स जो स्पेस पॉलिसी के लिए असिस्टेंट सेक्रेटरी ऑफ वॉर है। उन्होंने यूएस सीनेट को यह भी बताया कि दुश्मन अब नॉन बैलेस्टिक खतरे को विकसित कर रहे हैं। जिनसे निपटना मुश्किल है। उन्होंने साफ-साफ कहा कि अमेरिका के पास हाइपरसोनिक हथियारों, एडवांस्ड क्रूज मिसाइलों और स्टीलथ ड्रोन जैसे खतरों से बचने का कोई पुख्ता डिफेंस सिस्टम नहीं है। यानी अगर यह हथियार इस्तेमाल होते हैं तो अमेरिका खुद को पूरी तरह सुरक्षित नहीं मान सकता। दूसरी तरफ स्टील ड्रोन और लो फ्लाइंग क्रूज मिसाइलें रडार से बचकर सीधे टारगेट पर हमला कर सकती हैं।

ट्रंप के बड़बोलापन पर किंग चार्ल्स की लताड़

किंग चार्ल्स अमेरिका के दौरे पर आए। ऑफिशियल स्टेट जो विजिट होता है और यहां पर जब भी इस तरह के बड़े विजिट होते हैं तो वाइट हाउस में होस्ट किया जाता है। एक डिनर रखा जाता है।

लेकिन यहां पर अक्सर जो वर्ल्ड लीडर्स हैं वो टोस्ट दिया करते हैं। टोस्ट मतलब एक छोटा सा स्पीच हो गया जिसमें हूमर भी होता है, डिप्लोमेसी भी होती है। किंग चार्ल्स टोस्ट दे रहे थे। मतलब यहां पर एक छोटी सी स्पीच दे रहे थे और उन्होंने बहुत ही लाइट हार्टेड लेकिन एक पॉइंटेड जोक ट्रंप की तरफ कहा। उन्होंने कहा अमेरिकनंस वुड बी स्पीकिंग फेंच इफ नॉट फॉर ब्रिटेन। उन्होंने जो कहा है ना वो दो पार्ट में डिवाइडेड है। यू रिसेंटली कमेंटेड मिस्टर प्रेसिडेंट। मतलब किंग चार्ल्स डोनल्ड ट्रंप को कह रहे हैं कि हाल ही में आपने कुछ कमेंट पास किया था। ट्रंप ने दावोस समिट में कहा था कि अगर अमेरिका ने मदद की और यहां पर जो अलाइड फोर्सेस हैं उनकी जीत हुई वर्ल्ड वॉर टू में और जर्मनी हार गई थी।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 । Email: daily4pm@gmail.com ।website: www.4pm.co.in ।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।
स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा